IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 11, March 2025
Impact Factor: 7.67

भवभूति की नाट्यकृतियों में नायक-नायिका भेद एवं प्रारंभिक शास्त्रीय समीक्षा

डॉ. प्रवीन कुमारी
पूर्व शोध विद्वान
आगरा कॉलेज, आगरा, भारत

सारांश

यह शोधपत्र संस्कृत नाट्यशास्त्र की दृष्टि से भवभूति की नाट्यकृतियों में नायक-नायिका भेद का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। भवभूति की तीन प्रमुख नाट्यरचनाएँ — *महावीरचरित*, *मालतीमाधव*, और *उत्तररामचरित* — शास्त्रीय नाट्यशास्त्र में वर्णित नायक-नायिका के प्रकारों के आलोक में समीक्षा की गई हैं। भरतमुनि के नाट्यशास्त्र, साहित्यदर्पण, दशरूपक आदि शास्त्रों के अनुसार नायक-नायिका के गुण, भेद, और भूमिकाओं को संदर्भित करते हुए, भवभूति के पात्रों में विद्यमान शास्त्रीयता एवं वैचारिक स्वतंत्रता के संतुलन को रेखांकित किया गया है। शोध में यह प्रतिपादित किया गया है कि भवभूति के नायक-नायिका शास्त्रीय वर्गीकरण में आते हुए भी उससे आगे जाकर मानवीय गहराई, आत्मसंघर्ष और सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करते हैं। राम, माधव, सीता और मालती जैसे पात्र रस निष्पत्ति, संवादशक्ति, और मनोवैज्ञानिक संवेदना के माध्यम से नाटकों को केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एवं मानवीय अनुभवों का माध्यम बनाते हैं। यह अध्ययन भवभूति की कृतियों की शास्त्रीयता और आधुनिक प्रासंगिकता को एकसाथ प्रस्तुत करता है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-26556